कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फोरेस्ट्री, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश के बी.एस.सी (अंतिम वर्ष) के विध्यार्थियों का शुष्क वन अनुसंधान संस्थान में भ्रमण दिनांक (21/12/2016)

कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फोरेस्ट्री पासीघाट, (सेंट्रल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी) अरुणाचल प्रदेश के बी.एस.सी. (अंतिम वर्ष) के 20 विध्यार्थियों के दल ने श्री एन.लिंगडोह के नेतृत्व में दिनांक 21/12/2016 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का भ्रमण किया।

भ्रमण के प्रारम्भ में कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी , भा.व.से. ने प्रभाग में प्रदर्शित विभिन्न पोस्टरों के माध्यम से टिब्बा स्थिरीकरण , वृक्ष सुधार कार्यक्रम, गुग्गल, अकाष्ठ वनोपाज़ इत्यादि की जानकारी कराई। तत्पश्चात भ्रमणकारी दल ने उत्तक संवर्धन, वन संरक्षण , आण्विक जैव विज्ञान प्रयोगशाला का भ्रमण कर विभिन्न शोध गतिविधियों की जानकारी ली। इसके बाद संस्थान के जन संपर्क अधिकारी डॉ. एन.के.बोहरा ने पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से संस्थान की शोध गतिविधियों की जानकारी दी।

तत्पश्चात भ्रमणकारी दल ने संस्थान के विस्तार एवं निर्वचन केंद्र का भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित अनुसंधान से संबन्धित विभिन्न सूचनाओं एवं सामग्री का अवलोकन किया। यहाँ श्री उमाराम चौधरी ने अवक्रमित पहाड़ियों का पुनर्वासन (Restoration of degraded hills), टिब्बा स्थिरीकरण (Sand dune stabilization), जल प्लावित भूमि का पुनर्वासन (Restoration of Water Logged Areas), कृषि वानिकी इत्यादि से संबन्धित जानकारी दी। श्री चौधरी ने अपने संभाषण में वनों से प्राप्त होने वाले प्रत्यक्ष एवं परोक्ष लाभों की जानकारी देते हुए पॉलिथीन के दुष्प्रभाव का भी जिक्र किया।

भ्रमण कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन श्री उमाराम चौधरी , प्रभागाध्यक्ष, कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग ने किया। भ्रमण कार्यक्रम में श्रीमती मीता सिंह तोमर , तकनीकी सहायक का सहयोग रहा।

SOILS ASSOCIATED WITH DOMINANT FOREST TYPES OF RAJASTHAN